

२ ८
१७

पञ्जावली पेश हुई वारी मय वरील
वारी उपण वारी वी डार से वाड विडा
किपे जाने कायत प्राणपण पेश हुगा
वारी व वरील वारी को सुगा गगा ।
वरील वारी ने कतापा छि पडाडाराग मे
शमीगगा हो गगा हं एस किपे वाडपण
को कागे गठी कलना वादेते हैं। वारी
व वरील वारी को सुने के पश्चात प्रा
ण कायत दावा विडा करे स्वीकार
किपा जाडा दावा वारी खारीज किपा
जाता है। पञ्जावली फंसल शुमार होडा
नाम्बर से वाग होडा दारिखत हातर
गा

Md. H. J.

Ind.

~~Ind.~~

(अनुपम)
सहायक कलक्टर
फास्ट ट्रैक नीमकाथाना